India



ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II---ख• 3---उपल्वन्ड (i)

PART II-Section 3-Sub-section (

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

संं 236]

नई हिल्लो, मंगलवार, सितम्बर 24 1974/ब्र हिव : 2 1396

No 2361

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 24, 1974/ASVINA 2, 1896

इस भाग में भिन्द पुरूष संस्था दी जाती है जिससे कि यह बलग संकलन के कप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Steel)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th September, 1974

G.S.R. 400(E).—In exercise of the powers conferred by section 16, read with subsection (4) of section 4A, of the Indian Iron and Steel Company (Taking Over of Management), Act, 1972 (50 of 1972), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Indian Iron and Steel Company, Board of Management (Allowances of the Members) Rules, 1974.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
 - 2. Definitions.—(1) In these rules, unless the context otherwise requires,—
 - (a) "Act" means the Indian Iron and Steel Company (Taking Over of Management)
 Act, 1972 (50 of 1972);
 - (b) "Administrator" means the Administrator appointed under sub-section (1) of section 4C of the Act;
 - (c) "Board of Management" means the Board constituted by the Central Government under section 4A of the Act;
 - (d) "member" means a member of the Board of Management.
- (2) The words used in these rules and not defined and defined in the Act shall have the meaning respectively assigned to them in the Act.

- 3. Allowances payable to members of the Board of Management.—A member than the Administrator, when he is a member) shall be entitled to the following allowances, in respect of his journey undertaken to attend a meeting of the Board of Man-agement.—
 - (a) Sitting fee.—A sitting fee of Rs. 100 (Rupees one hundred) for attending a meeting of the Board of Management irrespective of the fact that a particular meeting may extend beyond one day by reason of adjournment or otherwise;
 - (b) Traveiling and daily allowances.—Travelling and daily allowances from his usual place of residence to the place of the meeting of the Board of Management at the following rates, namely:—
 - (i) A member who is an employee of the Central Government or a Government Company or any other public sector undertaking shall be entitled to receive travelling allowances and daily allowances from the same source from which such employee draws his salary at the rates admissible to him under the rules of his employing body, provided that the Company shall re-imburse the amount so paid, to the employing body;
 - (ii) any other member shall be entitled to actual fare for travel by rail (first class or air-conditioned class), or road, or air, plus a sum of Rs. 100 (Rupees one hundred) as incidental expenses for the first day, and Rs. 50 (Rupees flfty) for each subsequent day, of the meeting of the Board of Management where any such meeting extends beyond one day, provided that no incidental expenses shall be payable to a member who is a resident of the place where the meeting of the Board of Management is held; provided further that where any such member travels by his own plane, he shall be entitled to the standard air fare.

[No. IND.II-10(79)/74.]

S. S. SIDHU, Jt. Seev.

इस्तान और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

श्रधिम्चना

नई दिल्ली, 24 मितम्बर, 1974

सा० का० नि० 400 (अ).—-इंडियन ग्रायरन एण्ड स्टील कम्पनी (प्रबन्ध-ग्रहण) श्रधिनियम, 1972 (1972 का 50) की धारा 4 क की उपधारा (4) के साथ पठिन, धारा 16 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित नियम बनाती है, श्रथीत्:—-

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ ——(1) इन नियमों का नाम इंडियन ग्रायरन एण्ड स्टील कम्पनी, प्रवन्ध--बोर्ड (सदस्यों के भत्ते) नियम, 1974 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
 - परिभाषाएं.——(1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से श्रन्यथा अपेक्षित न हों,
 - (क) "प्रधिनियम" में इंडियन भ्रायरन एण्ड स्टील कम्पनी (प्रबन्ध-ग्रहण) श्रिधिनियम, 1972 (1972 का 50) अभिप्रेत हैं;
 - (ख) "प्रणासक" से अधिनियम की धारा 4 ग की उप-धारा (1) के अधीन नियुक्त प्रणासक अभिप्रेत है;
 - (ग) ''प्रबन्ध-बोर्ड'' में ग्रिधिनियम की धारा 4 क के ग्रिधीन केन्द्रीय सरकार छारा गिटन बोर्ड ग्रिभिपेत है :
 - (घ) "सदस्य" से प्रबन्ध–दोर्ड का सदस्य ग्रभिप्रेत है ।

- (2) इन नियमों में प्रयुक्त श्रौर अपरिभाषित श्रौर श्रधिनियम में परिभाषित शब्दों का वही श्रर्थ होगा, जो श्रधिनियम में क्रमणः उन्हें दिया गया है।
- 3. प्रवन्थ-बोर्ड के सदस्यों की संवेध भत्ते.—कोई सदस्य (प्रशासक से भिन्न, जब वह सदस्य है) प्रवन्ध-बोर्ड के द्राधिवेणन में उपस्थित होने के लिए की गई श्रपनी यात्रा की खाबत, निम्न-लिखित भत्तों का हकदार होगा.—
 - (क) **यंठक**-शुल्क.--प्रवन्ध बोर्ड के किसी श्रधिवेशन में उपस्थित होने के लिए, इस बात के होते हुए भी कि कोई विशिष्ट श्रिधिवेशन, स्थगन के कारण या श्रन्यथा एक दिन से श्रधिक समय तक चल सकता है, 100 रु० (सौ रुपए) का बैठक शल्क ;
 - (खं) यात्रा धौर दैनिक भत्ते.—-ग्रपने प्राधिक निवास स्थान से प्रवन्ध-बोर्ड के ग्रिधिवेशन के स्थान तक निम्नलिखित दरों पर, यात्रा और दैनिक भत्ते, ग्रथीत
 - (i) ऐसा सदस्य, जो केन्द्रीय सरकार या किसी सरकारी कम्पनी या श्रन्य किसी पब्लिक संकटर उपक्रम का कर्मचारी है, उसी स्रोत से जिससे यात्रा भन्ने श्रीर दैनिक भन्ने प्राप्त करने का हकदार होगा, ऐसा कर्मचारी, उसका नियोजन करने बाले निकाय के नियमों के श्रधीन उसे श्रनुज्ञेय दरों पर बेतन प्राप्त करता है, परन्तु कम्पनी इस प्रकार संदत्त रकम की नियोजन करने वाले निकाय को प्रति-पूर्ति करेगी;
 - (ii) क्रोई अन्य सदस्य रेल (प्रथम श्रेणी या वातानुकूलित श्रेणी), या सड़क, या वायु हारा साला के लिए बास्तिविक किराए का तथा प्रबन्ध—वोर्ड के श्रिधिवेशन के प्रथम दिन के लिए ग्रानवंगिक व्ययों के रूप में 100 रु० (सो रुपये) और जहां ऐसा कोई प्रधिवेशन एक दिन से ग्रिधिक समय तक चलता है वहां प्रत्येक पण्चात्-वर्ती दिन के लिए 50 रु० (पचाम रुपए) की राणि का हकदार होगा; परन्तु ऐसे किसी सदस्य को कोई भी श्रानुषंगिक व्यय संदेय नहीं होंगे, जो उस स्थान का निवासी है, जहां प्रबन्ध बोर्ड का ग्रिधिवेशन होता है; परन्तु यह श्रीर कि जहां कोई ऐसा सदस्य स्वयं ग्रपने विमान द्वारा यात्रा करता है वहां वह मानक हवाई किराए का हकदार होगा।

[सं० श्राई एन डी. II-10 (79)/74] एस० एस० सिद्ध, संयुवत सचिव।